

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8th

Subject : अर्थशास्त्र

Chapter : 10

Chapter Name : कानून और सामाजिक न्याय

Q1 दो मज़दूरों से बात करके पता लगाइये की उन्हें कानून द्वारा तय किया गया न्यूनतम वेतन मिल रहा है या नहीं। इसके लिए आप किसी निर्माण मजदूर, खेत मजदूर, फैक्ट्री मजदूर या किसी दुकान पर काम करने वाले मजदूरों से बात कर सकते हैं।

Answer.

- निर्माण मजदूर से बात करने से यह पता चला है कि उन्हें न्यूनतम वेतन प्राप्त नहीं हो रहा है।
- खेत मजदूर को भी न्यूनतम वेतन प्राप्त नहीं हो रहा है।
- फैक्ट्री मजदूर और दुकान में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम वेतन प्राप्त हो रहा है।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q2 विदेशी कंपनियों को भारत में अपने कारखाने खोलने से क्या फायदा है?

Answer.

- भारत में अन्य विकसित देशों के मुकाबले श्रम बहुत सस्ता है, अन्य देशों के मुकाबले यहाँ के मजदूरों को दिया जाने वाला वेतन बहुत कम है।
- भारत में विदेशी कंपनियाँ कम लागत से ज़्यादा मुनाफ़ा कमाती हैं।
- भारत का बाज़ार बहुत बड़ा है जिससे कंपनियों का बहुत फायदा होता है।
- विदेशी कंपनियों को भारत में अन्य घटकों की उपलब्धता का भी फायदा होता है।
- विदेशी कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अंतर्गत भारत के सरकारी नीतियों का भी फायदा होता है।
- भारत में कारखाने खोलने से विदेशी कंपनियों को यह सारी मुनाफ़े होते हैं।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q3 क्या आपको लगता है की भोपाल गैस ट्रेजेडी के पीड़ितों को सामाजिक न्याय मिला है? चर्चा करें।

Answer.

- अभी तक भोपाल गैस ट्रेजेडी के पीड़ितों को सामाजिक न्याय नहीं मिला है।
- उन्हीं सभी मांगे आज तक पूरी नहीं की गई हैं और वे इसके लिये संघर्ष भी कर रहे हैं।
- जनकी मांगें कुछ इस प्रकार हैं:
- पीने के लिए साफ पानी दिया जाए।
- पीड़ितों के नौकरी उपलब्ध कराई जाए।
- स्वास्थ्य संबंधित सुविधाएँ प्रदान की जाए।
- यूनिवर्सल कार्ड के चबैरमन को सज़ा दी जाए।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q4 जब हम कानूनों को लागू करने की बात करते हैं तो इसका क्या मतलब है कानून को लागू करने की ज़िम्मेदारी किसकी है ? कानून को लागू करना इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

Answer.

- कानून को लागू करने का मतलब है कि उस कानून का आम जनता द्वारा पालन करवाना या उस कानून को इस्तेमाल में लाना।
- कानून को लागू करने की पूरी ज़िम्मेदारी सरकारी की ही होती है।
- कानून को नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए या फिर उनके विकास के लिए बनाया जाता है उसके लागू होने पर ही उसे प्रयोग में लाया जाता है इसीलिए कानून को लागू करना महत्वपूर्ण है।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q5 कानून के ज़रिए बाज़ारों को सही ढंग से काम करने के लिए कैसे प्रेरित किया जाता है? अपने जवाब के साथ दो उदाहरण दें।

Answer.

- कानून के द्वारा बाज़ार में हो रहे लोगों के शोषण और अन्याय को रोका जा सकता है।
- इसीलिए कानून के ज़रिए बाज़ार सही ढंग से काम करते हैं।
- बाज़ार में मज़दूरों पर हो रहे शोषण को रोकने के लिए सरकार ने न्यूनतम मेहनताना कानून जारी कर दिया था।
- अक्सर निजी कंपनी के मालिक, साहूकार व ठेकेदार अपने निजी मुनाफ़े के लिए मज़दूरों को उनकी मेहनत के हिसाब से मेहनताना बहुत कम देते थे ताकि यह सब बचे हुए पैसे वो खुद रखले।
- ऐसे में कानून ही मज़दूरों की मदद कर सकते हैं।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q6 मान लीजिये की आप एक रासायनिक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर हैं। सरकार ने कंपनी को आदेश दिया है कि वो वर्तमान जगह से 100 किलोमीटर दूर किसी दूसरे स्थान पर अपना कारखाना चलाए। इससे आपकी ज़िन्दगी पर क्या असर पड़ेगा? अपनी राय पूरी कक्षा को सुनाए।

Answer.

- फैक्ट्री के और दूर हो जाने पर आने जाने में बहुत ज़्यादा समय व्यर्थ होगा।
- अब आपको ज़्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।
- पूरी दिनचर्या बदल जाएगी।
- परिवार के साथ समय बहुत कम मिलेगा।
- सुबह बहुत जल्दी उठना होगा और रात को घर आने में देर हो जाएगी।

यह सारे बदलाव आएंगे मेरे जीवन में।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q7 इस इकाई में आपने सरकार की विभिन्न भूमिकाओं के बारे में पढ़ा है। इनके बारे में एक अनुच्छेद लिखें।

Answer.

- सरकार के पास काफी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां होती हैं जिससे उन्हें बिना चुके पूरा करना होता है।
- किसी भी तरह के शोषण या अन्य मांगों को पूरा करने के लिए कानून बनाना सरकार की ज़िम्मेदारी है।
- कानून को कायम रखना और यह सुनिश्चित करना की कानून का पालन सभी जगह हर व्यक्ति से हो रहा है या नहीं यह भी सरकार का कर्तव्य है।
- निजी कंपनियों की सारी गतिविधियों पर ध्यान देना और किसी भी तरह के कानून का उल्लंघन करने पर उन्हें उचित सजा देना भी सरकार का कर्तव्य है।
- संसद में बजट पेश करना भी सरकार का काम है।
- सबके अधिकारों की तथा स्वतंत्रता की रक्षा करना भी सरकार का ही दायित्व है।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q8 आपके इलाके में पर्यावरण को दूषित करने वाले स्त्रोत कोन से हैं:(क)हवा (ख) पानी और (ग)मिट्टी के प्रदूषण के संदर्भ में चर्चा करे।प्रदूषण को रोकने के लिए किस तरह के कदम उठाये जा रहे हैं?क्या आप कोई और उपाय सुझा सकते है?

Answer.

हमारे इलाके में प्रदूषण फैलाने वाले स्त्रोत नीचे दिए गए है:-

(क) हवा: फैक्ट्रियों की चिमनी से निकलने वाला धुंआ और गाड़ियों से निकलने वाला धुंआ।

(ख)पानी:उद्योग और फैक्ट्रियों का पानी में फेंके जाने वाला कचरा।

(ग)मिट्टी का प्रदूषण:घरो और सड़कों के निर्माण, ढेर सारे पेड़ों की कटाई।

उपाय:

- ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाए जाए।
- गाड़ियों में पेट्रोल की जगह सी.एन. जी का इस्तेमाल करे।
- उद्योगों को नदियों से दूर केंद्रित किया जाए।

अन्य उपाय:

- अत्यधिक घरो व फैक्ट्रियों के निर्माण को रोकना।
- नदियों में कूड़ा कचरा न स्वयं फेकना और न फेकने देना।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q9 पहले पर्यावरण को किस तरह देखा जाता था?क्या अब सोच में कोई बदलाव आया है?चर्चा करे।

Answer.

- पहले पर्यावरण को ज़्यादा महत्व नहीं दिया जाता था।
- लोग पर्यावरण को हानि पहुंचने वाले कारणों से अंजान थे।
- वे यह नहीं जानते थे की पर्यावरण अनमोल है वे इसे मुफ्त मानते थे और इसीलिए आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल करते थे।
- सारे उद्योग बे फ़िक्र होकर हवा और पानी में प्रदूषण छोड़ रहे थे।

- अब लोग पर्यावरण को ज़्यादा गंभीरता से लेने लगे हैं।
- लोग उसको हानि पहुँचाने वाले कारणों से जागरूक हो गए हैं।
- सरकार प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए और पर्यावरण को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं और उससे लागू कर रहे हैं।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

Q10 प्रसिद्ध काटूनिस्ट आर. के लक्ष्मण इस काटून के ज़रिये क्या कहना चाहते हैं? इसका 2016 में बनाये गए उस कानून से क्या संबंध है जिसको पुष्ट 123 पे आपने पढ़ा था?

Answer.

- प्रसिद्ध काटूनिस्ट आर.के लक्ष्मण इस काटून से हमें यह बताना चाहते हैं कि भारत में आज भी बाल मजदूरी की कु रीति जारी है।
- ज़्यादातर बाल मजदूर गरीब तबके से हैं।
- आज भी कानून होने पर भी गरीब वर्ग का आमीर वर्ग द्वारा शोषण हो रहा है।
- इस काटून में यह साफ़ दिखाया गया है कि महिला अपना बोझ हल्का करने के लिए उस गरीब बच्चे पर सारा बोझ दाल देती है वो भी बिना किसी हिचकिचाहट के।
- यह महिला अपने बच्चे और गरीब के बच्चे में भेदभाव भी कर रही है।
- 2006 के अक्टूबर के महीने में सरकार ने 14 साल की उम्र से कम उम्र के किसी भी बच्चे को कहीं भी मजदूरी करने से वर्जित कर दिया और ज़बरदस्ती काम करने पर उस व्यक्ति को सजा देने का नियम लागू किया।
- आज नियम के बाद भी आज तक खुले आम लोग अपने बच्चों से मजदूरी करवाते हैं और फिर भी किसी सजा के पात्र नहीं बनते।

Page : 131, Block Name : अभ्यास

aglasem.com